Need to provide flood and drought relief to the affected State of Bihar

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): सभापति जी, बिहार राज्य वैसे तो हर साल बाढ़ और सुखाड़ से प्रभावित रहता है। लेकिन इस साल वर्ष के अभाव में पूरा राज्य त्रस्त है। अभी तक वर्षा नहीं होने से राज्य में धान की रोपाई नहीं हो सकी है। किसान ने धान का बीज तो किसी तरह डाल दिया और बीज रोपाई के लिए तैयार भी हो गया है, लेकिन बरसान नहीं होने से किसान बेचारा रोपाई नहीं कर पा रहा है। राज्य में चारों तरफ हाहाकार मचा है। जानवरों के लिए चारे का अभाव पैदा हो रहा है। पूरा बिहार भयंकर सूखे की चपेट में आ गया है। जुलाई का महीना बीत रहा है।

पूरे राज्य में किसान को खेती करने के लिए वर्षा पर ही निर्भर रहना पड़ता है, क्योंकि सिंचाई की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। जहां तक पम्पिंग सेट का सवाल है, पानी का लेवल नीचे चले जाने के कारण वे भी बरसात नहीं होने से फेल हो गए हैं। पम्पिंग सेट पानी नहीं दे रहे हैं, वे सब सूखे से प्रभावित हैं। किसानों की स्थिति अत्यंत कष्टप्रद हो गई है। किसान अपना भविष्य अंधकारमय महसूस कर रहा है।

ऐसी भयानक आपदा की स्थिति में केन्द्र सरकार से मेरा आग्रह है कि एक टीम भेजकर बिहार राज्य में सूखे की स्थिति का आकलन करे और तुरन्त राहत कार्य प्रदान करने के लिए राज्य सरकार को समुचित वित्तीय संसाधन मुहैया कराए जाएं।

श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह (बिहार): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

MR. CHAIRMAN: Shri P. Bhattacharya.

Concern over environmental pollution in the country

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): This Government has already introduced a Draft Coastal Regulation Zone Notification, 2018. What is this thing? All the fishermen, particularly the small fishermen in the coastal area, starting from Sundarbans of West Bengal to Gujarat and Maharashtra, everywhere, are in trouble.

Sir, when Jairam Ramesh ji was the Minister, he stopped this thing, and, that is why, at that time, only the ordinary and the small fishermen were getting the benefit of that. But this time it has been opened for everybody, and, that is why, only the big...

MR. CHAIRMAN: Mr. Bhattacharya, the subject of your Zero Hour submission is 'concern over environmental pollution in the country' लेकिन आप fishermen के बारे में बात कर रहे हैं।